दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-290
मुरादाबाद
11 February 2025
(Tuesday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'मैं अपने दोस्त ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक'; फ्रांस–अमेरिका की यात्रा से पहले बोले पीएम मोदी

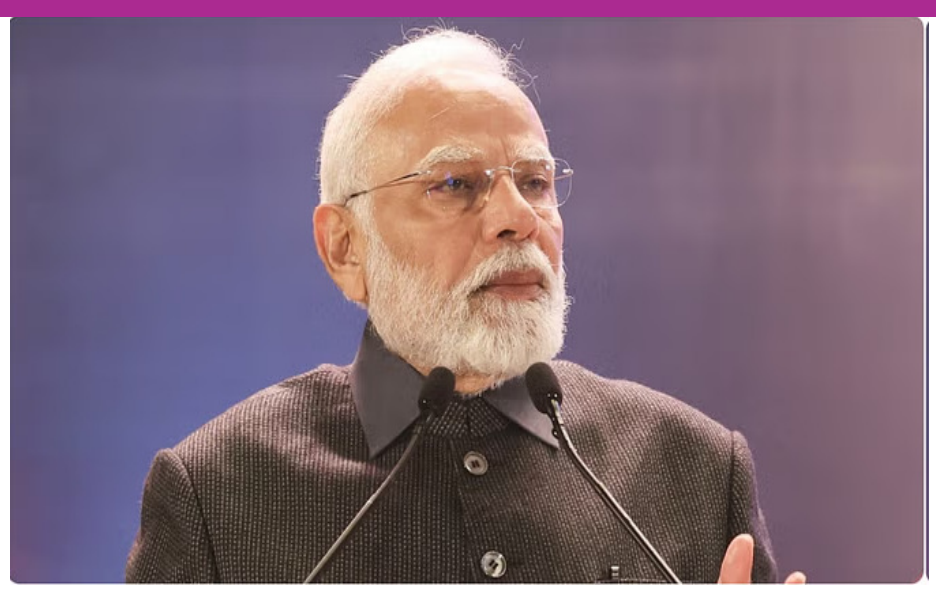

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय फ्रांस और अमेरिका दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार पद संभालने के बाद अपनी पहली अमेरिका यात्रा को पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाने का अवसर करार दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की अपनी चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए हैं। फ्रांस में वे दृ एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे। वे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने और अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर परियोजना का दौरा करने के लिए मार्सिले भी जाएंगे। फ्रांस के बाद वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे।

ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली अमेरिका यात्रा को पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाने का अवसर करार दिया। पीएम मोदी ने फ्रांस रवाना होने से पहले कहा कि इस यात्रा से प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के क्षेत्रों सहित अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी को और ऊपर उठाने और गहरा करने के लिए एक एजेंडा विकसित करने में भी मदद मिलेगी।दुनिया को देंगे बेहतर भविष्य- पीएम मोदी ने अमेरिका यात्रा को लेकर कहा कि हम दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनिया के लिए बेहतर भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मेरे पास भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के निर्माण में उनके पहले कार्यकाल में एक साथ काम करने की बहुत अच्छी यादें हैं। फ्रांस यात्रा के बारे में कही ये बातें-वहीं, फ्रांस यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हैं। इसमें वे समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार और व्यापक सार्वजनिक भलाई के लिए एआई प्रौद्योगिकी के सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए 2047 के रोडमैप पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर भी होगी। साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बताया कि मैं मजारगुएस युद्ध कब्रिस्तान में उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा जिन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी।

संक्षिप्त समाचार

तिहाड़ से बोल रहा हूं...माथे में गोली मारूंगा, बरेली में यूट्यूबर साक्षी मिश्रा के पति को मिली धमकी

बरेली में यूट्यूबर साक्षा मिश्रा के पति अजितेश को फिर धमकी मिली है। आरोप है कि रुद्रपुर के युवक ने व्हाट्सएप कॉल कर उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। बरेली के यूट्यूबर साक्षी मिश्रा के पति अजितेश कुमार को उत्तराखंड के सिरफिरे ने व्हाट्सएप कॉल कर माथे में गोली मारने की धमकी दी गई है। पीड़ित ने इज्जतनगर थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वीरसावरकर निवासी अजितेश कुमार ने बताया कि उन्होंने साक्षी मिश्रा से 2019 में अंतरजातीय प्रेमविवाह किया था। विवाह के बाद कुछ लोग उनसे रंजिश मानते हैं। आरोप लगाया कि उत्तराखंड के रुद्रपुर निवासी अभिषेक मिश्रा साक्षी का रिश्त में भाई लगता है।

अभिषेक ने उन्हें व्हाट्सएप पर कॉल कर धमकी दी कि तिहाड़ जेल से बोल रहा हूं, तुम्हारे माथे में गोली मारूंगा। धमकी के दौरान अभिषेक ने एक नेता का नाम भी लिया। अजितेश ने इसकी रिकॉर्डिंग भी कर ली। इससे पहले अभिषेक रेकी करने और हत्या करने की धमकी दे चुका है। अजितेश के मुताबिक उनके और उनकी पत्नी साक्षी के साथ अनहोनी हो सकती है। उनकी तहरीर के आधार पर इज्जतनगर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एससी एक्ट के तहत मामला दर्ज होने की वजह से सीओ मामले की जांच कर रहे हैं।

राष्ट्रपति मूर्मू ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी, अक्षयवट और श्री बड़े हनुमान जी का किया

सनातन संस्कृति के सबसे बड़े मानव समागम महाकुम्भ में उमड़ रहे आस्था और श्रद्धा के महासागर में सोमवार को महामहिम का भी आगमन हुआ। भारत की दूसरी महिला और पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।सनातन संस्कृति के सबसे बड़े मानव समागम महाकुंभ में उमड़ रहे आस्था और श्रद्धा के महासागर में सोमवार को महामहिम का भी आगमन हुआ। भारत की दूसरी महिला और पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रयागराज महाकुंभ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने पूरी आस्था के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया।पावन डुबकी लगाने से पहले राष्ट्रपति ने त्रिवेणी संगम में पुष्प और नारियल अर्पित किया और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर प्रणाण किया। उन्होंने मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए एक के बाद एक कई बार पवित्र जल में डुबकी लगाई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच उन्होंने संगम स्थल पर पूजा अर्चना की और संगम की आरती भी उतारी। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सपरिवार विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले राष्ट्रपति ने सबसे पहले पूर्ण आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर पवित्र जल में फूल माला और नारियल अर्पित कर समस्त राष्ट्र की समृद्धि और शांति की मनोकामना की। इसके बाद उन्होंने भगवान सूर्य की अराधना की और अर्घ्य देकर प्रणाम किया।

इसके बाद उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ संगम में एक के बाद एक कई डुबकियां लगाईं।स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। राष्ट्रपति ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी का दुग्धाभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहां मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उन्हें कलावा बांधकर अभिनंदन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सोमवार सुबह प्रयागराज पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से राष्ट्रपति अरैल घाट पहुंचीं, जहां से क्रूज पर सवार होकर वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं। इस दौरान राष्ट्रपति ने डेक पर खड़े होकर नौका विहार का आनंद भी लिया और अपने हाथों से पक्षियों को दाना खिलाया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें महाकुंभ के आयोजन और इससे जुड़ी अनेक व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी।राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू में संगम में स्नान के बाद श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने संगम में स्नान करने के बाद क्रूज जेटी से संगम में पक्षियों को दाना खिलाया। उनके साथ राज्यपाल आनंद बेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी समेत तमाम लोग मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने संगम में स्नान करने के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा का पूजन अर्चन कियाराष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने अक्षय वट और सरस्वती कूप का दर्शन किया। उन्होंने सरस्वती कूप में जल और दुग्ध भी चढ़ाया। राष्ट्रपति के पहुंचने पर संगम नोज पर सभी दूसरे मोटर बोट और अन्य नौकाओं को रोक दिया गया था। पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने संगम में स्नान के बाद श्री बड़े हनुमानजी का पूजन किया। महंत बलवीर गिरि ने उन्हें विधि विधान से पूजन कराया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएम योगी, कैबिनेट मंत्री नंदी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज में जाम का झाम, संगम स्टेशन बंद...अन्य आठ पर भीड़; कई-कई झड पैदल चल रहे श्रद्धालु

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आस्था की डुबकी जारी है। देश भर से लोग प्रयागराज बस, गाड़ी और ट्रेनों के जरिए पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने बताया कि प्रयागराज संगम स्टेशन 9 फरवरी से 14 फरवरी रात्रि 12 बजे तक बंद रहेगा। बाकि आठ स्टेशनों प्रयागराज छिवकी, नैनी, प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, प्रयाग, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग और झूंसी से नियमित और स्पेशल ट्रेनों का परिचालन चल रहा है।उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है। संगम में स्नान के लिए श्रद्धालु हजारों की संख्या में आ रहे हैं। आज सुबह तीन बजे से ही स्नान जारी है। जिसके चलते प्रयागराज आने और जाने वाले रास्तों पर जाम देखा जा रहा है। सड़कों पर वाहनों और पैदल चलने वाले यात्रियों को मिनटों की दूरी घंटों में तय करनी पड़ रही है। श्रद्धालु कई किलोमीटर पैदल चल रहे हैं। माघ पूर्णिमा से पहले महाकुंभ में महाजाम की स्थिति देखी जा रही है। प्रयागराज पहुंचने में श्रद्धालुओं को भारी दिक्कत हो रही है। जानकारी के लिए बता दें कि प्रयागराज में चारों तरफ से श्रद्धालु आ रहे हैं। फाफामऊ, झूंसी, नैनी, वाराणसी-प्रयागराज रोड यानी जीटी रोड (सुलेम सराय) में जगह जगह जाम लगा हुआ है। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई है। तो वहीं सड़कों पर चलने वाले यात्री घंटों में घाटों तक पहुंच रहे हैं। वसंत पंचमी के बाद शनिवार को लगातार पांचवें दिन शहरी व श्रद्धालु भीषण जाम से कराहते रहे। शहर से लेकर जनपदीय इंट्री प्वाइंटों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। मुख्य मार्ग चोक होने पर शहरों में गलियां भी पट गई। सीमा से सटे ग्रामीण इलाकों में सुबह से रात तक 10-10 किमी तक एक के पीछे एक वाहन लगे रहे। नागवासुकि मार्ग पर सुबह 10 बजे के करीब फैजाबाद से आए पीतांबर शुक्ला मिले। उन्होंने बताया कि फैजाबाद से शनिवार शाम पांच बजे चले थे। पांच घंटे का रास्ता तय करने में 17 घंटे का वक्त लग गया। यहां भी भीषण जाम लगा है और पता नहीं संगम पहुंचने में और कितनी देर लगेगी। इसी तरह गीता निकेतन सोहबतियाबाग के पास मिले अखिलेश्वर प्रसाद ने बताया कि वह कानपुर से आए हैं। कानपुर से शनिवार दोपहर में चले थे। बालसन से गीता निकेतन तक पहुंचने में ही एक घंटे का वक्त लग गया। इसी तरह नोएडा से आए अजय कुमार शनिवार सुबह छह बजे निकले और झूंसी स्थित घर तक पहुंचने में उन्हें रविवार के सुबह छह बज गए। शहर का हाल यह रहा कि मेले की ओर जाने वाले सभी रास्ते तो चोक रहे ही, पुराने शहर के सभी इलाकों में भी भीषण जाम से राहगीर व शहरी जूझते नजर आए। सुबह से देर रात तक यही स्थिति बनी रही। एक किमी की दूरी तय करने में रविवार को लोगों को दो से तीन घंटे लगे। 12 घंटे के भीतर तीन गाड़ियां ओवरहीट होने की वजह से जल गई। लखनऊ रूट पर बेला कछार इलाके में अलग-अलग स्थानों पर ये घटनाएं हुई। फायर कर्मियों ने तो एक गाड़ी का शीशा तोड़कर कार सवारों को बाहर निकाला। इस दौरान दो लोग बुरी तरह से झुलस गए।जनपदीय सीमा पर स्थित सभी सात प्रमुख मार्गों पर भी जाम से श्रद्धालु दिन भर कराहते रहे। कहां क्या स्थिति रही। लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर श्रृंग्वेरपुर धाम से मलाक हरहर का 23 किलोमीटर का सफर तय करने में चार घंटे से ज्यादा का वक्त लगा। इस पर लखनऊ हाईवे के साथ कानपुर से कोखराज हंडिया बाईपास पर आने वाले वाहनों की भीड़ नो इंट्री प्वाइंट पर जमा होने से हालात और गंभीर हो गए। सीमा से सटे ग्रामीण इलाकों में भी 10-10 किमी तक जाम-इसी तरह प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर करछना से जाम की स्थिति रही। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, ओडीशा, गुजरात, महाराष्ट्र आदि से आने वाले वाहनों को करछना की ओर डायवर्ट करने से यह स्थिति हुई। वाराणसी, जौनपुरी, कानपुर, रीवा-बांदा, अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग पर भी 10-10 किमी तक वाहन सुबह से लेकर रात तक रेंगते रहे। श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा तो हांफने लगी व्यवस्था -वसंत पंचमी के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। उससे ट्रैफिक को लेकर की जा रही सभी कवायदें नाकाफी साबित हो रही हैं। चौखंडी निवासी अधिवक्ता शांतनु सिंह कहते हैं कि मुख्य स्नान पर्वों पर यातायात को लेकर दिक्कत की बात समझी जा सकती थी। आम दिनों में भी उसी तरह जाम लग रहा है। इसी तरह बैरहना निवासी संजय सिंह कहते हैं कि शहर के साथ ही जिले की सीमाओं पर भी वाहनों का तांता लगा हुआ है।

सोनिया गांधी ने जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की, कहा– खाद्य सुरक्षा सभी का मौलिक अधिकार

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने सोमवार को जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की है। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि देश में 14 करोड़ लोग जरूरतमंद होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा कानून के फायदों से वंचित हैं। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने सोमवार को सरकार से जल्द से जल्द जनगणना पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश में करीब 14 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित हो रहे हैं। राज्यसभा में अपने पहले शून्यकाल संबोधन में सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों की पहचान2011 की जनगणना के आधार पर की जा रही है, जबकि देश की जनसंख्या अब काफी बढ़ चुकी है।सोनिया गांधी ने कहा कि यूपीए सरकार की तरफ से 2013 में लागू किया गया यह कानून देश के 140 करोड़ लोगों की भोजन और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम था। कोविड-19 संकट के दौरान भी इस कानून ने लाखों गरीब परिवारों को भुखमरी से बचाया। उन्होंने बताया कि गांवों में 75त्न और शहरों में 50त्न आबादी को सस्ते अनाज का लाभ देने वाला यह कानून 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित है। उस समय, कुल लाभार्थियों की संख्या 81.35 करोड़ थी, लेकिन आज 14 करोड़ और लोग इसके हकदार हैं, जो लाभ से वंचित हो रहे हैं। सोनिया गांधी ने कहा, %स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार, 10 साल में होने वाली जनगणना 4 साल से ज्यादा देर से हो रही है।

संपादकीय Editorial

Let's light a diya

The Himachal-2045 seminar series is bringing a big dream of improving the condition of Himachal on the nexus of economy and development. A policy document will be prepared in the three-day seminar to be held under the aegis of Manmohan Singh Himachal Pradesh Institute of Public Administration (MSHIPA). Some national personalities are being invited to improve the administrative form of the definition of think tank in Himachal so that a treatise on development can be written in the period of discussions. Boats will be available to change the course of Himachal, but if the oars are handed over to the people who have already swum in the river, then they will know. That is, the present reality of the state, the people who have a shared heritage, should also be asked where the island is. Environmental consciousness is an inevitable character in the future of Himachal, but the forest stands on the land of our advocacy. In a state from which 70% land has been taken away in the name of environment, it is very difficult to dispose of 30% of the land for development, private investment, future rights, farming, horticulture, industry, market, urban development, infrastructure development and residential facilities. The geographical location of Himachal will not improve through mere development, the social character and political scenario will have to be changed here. When Himachal stepped out of the blanket of development, a structure was created which is difficult to carry. Actually, the pain of the mountains was not even recorded in the national policies. This is because no independent department like the Ministry of Mountain Development was created. If the context of national priorities were visible to understand the mountainous environment from Jammu-Kashmir to Arunachal Pradesh, then the importance of every scheme would have increased. For example, the standards of mountain development are completely different from the plains and are more expensive. Therefore, different technology, environment friendly development and a different vision for solving public problems are needed here. If the ropeway project is now taking shape to streamline the traffic system of Shimla, then many other cities can also move forward in a similar framework. If the Vajpayee government equipped Himachal Pradesh as a pharma hub by giving it an industrial package, then the nation will have to identify hill states under soft profession, connectivity, environment, water and climate packages. Our development is not to build a mountain of concrete, yet Himachal Pradesh should be given the status of tourism, culture, information technology, sports-adventure sports, tribal, biodiversity, forest and water state. The nation should accept that hill states like Himachal Pradesh should be honoured nationally through water, climate, weather cycle and forests. The Himachalis displaced in the submergence area of ??big dam projects are still fighting the desert of displacement. It is not that Himachal Pradesh does not have its own economic capacity. If migrant labourers, hawkers and traders from across the country are earning from here and supporting their families, then we have not been able to nurture employment in accordance with such capacity. On the other hand, employment to nurture the source of education from which the children got their degrees has not been created in the state. If half a dozen IT parks had been established, our urban economy would have been enhanced along with employment. Even today, urbanization in Himachal is generating employment. Employment in the private sector is increasing due to retail marketing, online marketing and tourism marketing.

Message of Delhi's mandate, BJP won another political fort

Delhi Chunav Result 2025 Even after getting the status of a national party, Aam Aadmi Party turned into another party like others. People did not support Kejriwal, a product of Anna movement, because they wanted to see another party like other parties. They wanted to see fundamental political changes in the country. BJP won another political fort considered difficult by winning the Delhi Assembly elections with a two-thirds majority. After Haryana and Maharashtra, its impressive victory in Delhi is making it even more clear that the setback it had suffered in the Lok Sabha elections was temporary and it has completely recovered from this setback. Undoubtedly, Delhi may not be a full state, but being the capital of the country, it has special political importance. The activities of Delhi have a deep impact on the rest of the country. By winning Delhi, BJP formed a double engine government in another state, but with this the challenge of improving the capital has come on its shoulders. It will have to make extra efforts to meet this challenge, because the country's international image depends a lot on Delhi. While the victory in Delhi strengthened the BJP politically, it also sent a message to the opposition parties and their front INDIAA that if they do not change their policies, then there will be more difficulties in the future. The Delhi elections have shown that the unity of the opposition alliance is in danger. In the coming times, it will not be surprising if the small and big components of INDIAA fight among themselves more vigorously and go their separate ways. The victory of the BJP in Delhi also showed that the Aam Aadmi Party could not maintain the trust of the people in its strongest bastion. No one other than Arvind Kejriwal is responsible for this. Kejriwal disappointed the people of Delhi as well as the rest of the country with his actions as the Chief Minister and party chief, because he had shown the dream of a new kind of politics. This dream collapsed because Kejriwal acted against what he said. Apart from this, he adopted the method of making allegations and running away, took numerous U-turns and destroyed his image of a leader fighting corruption with his own hands. Even after getting the status of a national party, Aam Aadmi Party turned into another party like others. People did not support Kejriwal, the product of Anna movement, because they wanted to see another party like other parties. They wanted to see fundamental political changes in the country. Sadly, Kejriwal did not even try for this. Delhi taught a lesson to Congress along with Aam Aadmi Party and the biggest lesson is that it should learn to fight on its own strength and behave like a responsible national party.

Afghan women in the dark ages, the world is silent on their plight

Women of Afghanistan The women of Afghanistan are living in the dark ages even in the 21st century. Their plight under the Taliban rule is not hidden from anyone. The sad thing is that the feminist movement around the world is silent on the plight of the women of Afghanistan. America is also silent on the bad condition of Afghan women. Recently, Afghan girls living in Australia played cricket after many years. As soon as the Taliban came to power, they banned them and their cricket team. After this, the girls playing cricket somehow fled and reached Australia. With the help of Cricket Australia, they were able to play their first match against the Cricket Without Borders team last week. The Taliban are devoid of even basic human values. They have made the life of women in their country difficult. The worrying and sad thing is that the feminist movement around the world is almost silent on their situation. Here too, no voice is being raised in their favor. America, which is the champion of human rights, is also silent, whereas it was because of its weakness that the Taliban took over Afghanistan. Donald Trump has been talking about making America great again since becoming the President. Listening to his words, the question arises that how did America become so weak? If seen, the biggest example of its weakness was its running away from Afghanistan. While running away from Afghanistan, it left all its weapons there, due to which the Taliban who had taken over there became even stronger. After the arrival of the Taliban in Afghanistan, the women and girls there are suffering the most. The problems of the women and girls of Afghanistan are not at all worth forgetting. Since coming to power, the Taliban have been driving women and girls away from everywhere. They are being locked in their homes. They cannot go out of the house without a man accompanying them. If they travel alone in a taxi, then along with them, the taxi driver will also be punished. They cannot sing, go to the park, talk to anyone in a loud voice, or listen to music. The rulers there are giving the lame argument behind this that a woman alone without a man can have a relationship with another man. She can attract another man and this can spoil the character of that woman. According to them, the only work of women's life is to attract men and have a relationship with them. That is why they not only have to remain veiled all the time, but also have to cover their faces with thick clothes. Moreover, the Taliban has also banned those voluntary organizations which work for the welfare of women. Recently, it also shut down Begum Radio run by women. The Taliban has also taken away the right to education from girls in Afghanistan. In Afghanistan, education of girls has been banned after the sixth class. On one hand, women there cannot get treatment from any male doctor and on the other hand, they have also been banned from becoming nurses and doctors. When girls will not become doctors and nurses, then whom will they consult when they fall ill? Obviously, the life of women there is like a curse. The Taliban are saying that the first and last duty of girls from the age of nine is to get married and have children. Perhaps that is why the Taliban recently issued an order that no windows can be made in new houses from where women can see outside. The houses which already have windows will have to be closed. Can any woman from any village in India imagine such a horrific picture? Can a house without windows be imagined? Forget about playing, Afghan girls are not even allowed to watch sports. There was a time when there was fanaticism like Afghanistan in Saudi Arabia regarding women. Some people used to roam on the streets with sticks. If a woman was seen there even by mistake, they would hit her on the head. If a woman came to Saudi Arabia from any foreign country, she also had to follow the religious beliefs there in the same way, otherwise she was prohibited from coming, but to keep pace with the changing world, it is also changing. Now openness is coming in the society of Saudi Arabia. The credit for this can be given to the crown prince of that country, Mohammed bin Salman. Occasionally some people raise their voice in favour of women in Afghanistan. Recently a Taliban leader Sher Mohammad Abbas Stanikzai said that girls should not be deprived of education. The ban imposed on their education should be removed. There is no need for this. In a population of 4 crore, we cannot do injustice to 2 crore population. Unfortunately, a few days later the news came that Stanikzai had to leave Afghanistan and go to Dubai. It is being said that he was afraid of his arrest. After this, it would not be surprising if raising voice in favour of women in Afghanistan becomes more difficult. Keep in mind that in the darkness all around, even a ray of light provides a lot of support. At present, Afghan women are not able to see even that.

पीएम मोदी ने छात्रों को दिए टिप्स, कहा-जिंदगी में हर चीज का टाइम टेबल बनाना चाहिए

मुरादाबाद- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोर्ड परीक्षा 2025 से पहले देशभर के 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों से %परीक्षा पे चर्चा% कार्यक्रम के माध्यम से संवाद किया। पीएम मोदी ने कहा कि किताबी कीड़ा नहीं बनना चाहिए लेकिन ज्ञान प्राप्त करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। हमेशा कुछ ना कुछ सीखते रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा छात्र-छात्राओं को हर चीज का टाइम टेबल बनाना चाहिए। विद्यार्थी परीक्षा में फेल होने पर मायूस ना हो। शिक्षा के लिए सामान्य ज्ञान होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सोमवार को सुबह 10-30 बजे प्रधानमंत्री की ऑनलाइन बोर्ड परीक्षा को लेकर परिचर्चा शुरू हुई। कहीं नेटवर्क तो कहीं कनेक्टिविटी फेल होने के कारण कुछ स्कूलों में हल्की-फुल्की अवस्थाओं की बीच प्रधानमंत्री की परिचर्चा शुरू हुई। %परीक्षा पे चर्चा% को विद्यार्थियों ने ध्यान पूर्वक सुना। प्रधानमंत्री ने परिचर्चा में विद्यार्थियों से कहा कि जिंदगी में हर चीज का टाइम टेबल होना चाहिए । पढ़ाई हो, खेलकूद या फिर मोबाइल पर बात करने का समय। कुछ विद्यार्थी मोबाइल पर ही बात करने और चैटिंग करने में अपना जीवन बिता रहे हैं जो उनके भविष्य के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा, जीवन में कंपटीशन होना बहुत जरूरी है। इसके लिए खुद को हमेशा तैयार रखें। वहीं उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि बच्चों को हर समय समझाने से बचें। पढ़ाई लिखाई में दोस्तों से कंपटीशन नहीं, इंप्रेशन लेना चाहिए। शिक्षक संगीत से क्लास का माहौल खुशनुमा बनाएं रखे। पेपर देने से पहले दिमाग को को शांत करें। परीक्षा के दौरान दिमाग शांत रखें और गलतियों से बचें।

राजमिस्त्री और मजदूरों ने छत से फेंक कर की थी रिटायर्ड दरोगा की हत्या

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त दरोगा की हत्या कर दी गई। हत्या करने वाले रिटायर्ड दरोगा का मकान बना रहे राज मिस्त्री और मजदूर ही निकले। जिसमें एक मजदूर कामकाज के दौरान बार-बार दरोगा की डांट से इस कदर खफा था कि मरने के बाद भी दरोगा पर बल्लियां बरसाता रहा। पुलिस ने वारदात में शामिल तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा करेगी। यह वारदात बीती 19 जनवरी को मझोला थाना क्षेत्र में लाकड़ी बाईपास एरिया में हुई थी। सहारनपुर से सेवानिवृत्त हुए दरोगा अतेंद्र सिंह मुरादाबाद के बुद्धि विहार में परिवार के साथ रहते थे। दरोगा ने अपनी जमा पूंजी से लाकड़ी बाईपास इंडस्ट्रियल एरिया में एक प्लॉट खरीदा था। जिस पर वह रेंट पर देने के लिए इन दिनों हॉल का निर्माण करा रहे थे। 19 जनवरी को इस बिल्डिंग का निर्माण कर रहे राजमिस्त्री ने दरोगा के बेटे को कॉल करके कहा कि आपके पिता अचानक छत से गिर गए हैं, तुरंत आ जाइए। बेटा मौके पर पहुंचा तो दरोगा बेसुध हालत में नीचे पड़े थे। उनकी सांसें थम चुकी थीं। लेकिन जिंदगी की आस में बेटा तुरंत अपने पिता को लेकर साईं अस्पताल पहुंचा। जहां गाड़ी में ही स्टाफ ने देखकर दरोगा को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने दरोगा का अंतिम संस्कार भी कर दिया। करीब 15 दिन बाद 6 फरवरी को दरोगा के बेटे ने ध्यान दिया कि उसके पिता हमेशा सोने की चेन और अंगूठी पहने रहते थे। क्रिमिनेशन के समय दोनों गायब थीं। दरोगा का बेटा मझोला थाने पहुंचा और उसने पुलिस से शक जाहिर किया कि संभवत: उसके पिता के छत से गिरने के बाद मजदूरों ने या फिर अस्पताल में चेक करते अस्पताल स्टाफ ने उसके पिता की सोने की चेन और अंगूठी उतारकर रख ली है। पिता की आखिरी निशानी के तौर पर दरोगा के बेटे ने पुलिस से दोनों चीजों को ढूंढने की गुजारिश की।पुलिस ने राजमिस्त्री और मजदूरों से ही पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान राजमिस्त्री के चेहरे पर घबराहट थी। इसे भांपकर इंस्पेक्टर मोहित चौधरी ने राज मिस्त्री से कड़ाई से पूछताछ शुरू की। उससे पूछा कि दरोगा कैसे छत से गिरे तो वो पूरा घटनाक्रम नहीं बता सका। सख्ती से पूछताछ में राजमिस्त्री टूट गया। उसने कबूल किया कि उसने दो अन्य मजदूरों के साथ मिलकर दरोगा अतेंद्र की हत्या की थी। इतना सुनकर पुलिस भी सन्न रह गई। तुरंत राजमिस्त्री को हिरासत में लेकर उसके बताए दो अन्य मजदूर साथियों को भी पुलिस ने तुरंत पकड़ लिया। इसके बाद राजमिस्त्री, ठेकेदार रवींद्र ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने दरोगा अतेंद्र से दो लाख रुपए उधार लिए थे। दरोगा के मरने पर उसकी ये देनदारी खत्म हो जाती इसलिए वो इस घटना में शामिल हुआ। वारदात में शामिल एक मजदूर ने कहा कि दरोगा मुझे बहुत डांटता था। मैं उसकी गालियों से आजिज आ गया था और बदला लेने का मन बना लिया था। इसीलिए उसकी हत्या के प्लान में शामिल हो गया। दूसरे मजदूर ने कहा कि मेरे हिस्से में दरोगा की सोने की अंगूठी और चेन आनी थी। ठेकेदार रविंद्र ने पुलिस को बताया कि दरोगा जब 19 जनवरी को बिल्डिंग पर काम देखने आया तो हम तीनों ने पहले से ही उसे निपटाने का मन बना लिया था। दरोगा छत पर चेक करने पहुंचा तो ठेकेदार रविंद्र ने उसे लात मारी। जिससे दरोगा लुढ़कता हुआ नीचे गिरा। इसके बाद सीढ़ियों से नीचे गिरने पर मजदूरों ने दरोगा पर निर्माण में उपयोग आने वाली बल्लियों से वार किया। इसके बाद दरोगा की अंगूठी और चेन उतारकर उसके बेटे को हादसे की झूठी कहानी सुना दी।

संक्षिप्त समाचार

कुष्ठ रोग से बचाव के लिए जानकारी बहुत जरूरी

नगर क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कुष्ठ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुरादाबाद- स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान व कुष्ठ पखवाड़े के क्रम में सोमवार को नगर क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य पूर्णिमा पाल ने कहा कुष्ठ रोग की जानकारी ही इसके बचाव के लिए बहुत आवश्यक है। भारत को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के लिए छात्राएं अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ. भास्कर अग्रवाल ने बताया कि रोग से प्रभावित व्यक्ति को ठंडे और गर्म का एहसास नहीं हो पता है। कई बार उसकी आंख की पलक भी बंद नहीं हो पाती हैं। उन्होंने बताया कि त्वचा पर लाल दाग होना, जिसमें संवेदना न होना, खुजली न होना, बाल का गिरना, पसीना न आना आदि महत्वपूर्ण लक्षण है जो कुष्ठ रोग की ओर इशारा करते हैं। छात्राओं ने अपने आसपास होने वाले कुष्ठ रोगियों को इस जानकारी को बताने और उन्हें इलाज के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अभिलाषा ने कहा इस गतिविधि द्वारा पता चलता है कि कोई भी बीमारी अब लाइलाज नहीं है। सरकार द्वारा बहुत कदम उठाए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत कुष्ठ रोग के लिए मुफ्त इलाज, मुफ्त आपरेशन व विकलांग पेंशन सुविधा भी उपलब्ध है। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं और टीचिंग स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

मुरादाबाद में फिजिकल की प्रक्रिया शुरू, 500 लड़कियों ने रेस में लिया हिस्सा

मुरादाबाद- सोमवार सुबह से सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए

फिजिकल की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुरादाबाद की 9वीं वाहिनी पीएसी के मैदान पर सुबह पांच बजे से ही लड़कियों की कतारें लगना शुरू हो गई थीं। सुबह 7 बजे लड़कियों की रेस शुरू हो

चुकी है। पहले दिन 500 लड़कियां रेस में हिस्सा ले रही हैं। भर्ती प्रक्रिया में लड़कियों के बाद लड़कों के फिजिकल होगा। एसएसपी सतपाल अंतिल ने एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार को भर्ती प्रक्रिया के फिजिकल के लिए गठित टीम का इंचार्ज बनाया है। एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार की देख-रेख में सभी प्रक्रिया चल रही है।

पर्यावरण को शुद्ध बनाने वाले गिद्धों की प्रजातियां हुईं विलुप्त, पशुओं को दी जाने वाली डाइक्लोफेनॉक दवा बनी जहर

पारिस्थितिकी संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं गिद्ध, सरकारी महकमे लापरवाह, ठोस प्लान नहीं बनाया

मुरादाबाद- पार्क, खेत, खलिहान हों या घने कंटीले जंगल, गिद्धों का अस्तित्व मिट गया है। दूर-दूर तक गिद्ध नजर नहीं आते। विलुप्त हुई इस प्रजाति की ओर न शासन का ध्यान है न ही महकमे को इसकी चिंता? इनके खत्म होने से पर्यावरण को खतरा पैदा हो गया है। इनका भोजन मृत पशु जंगल, पगडंडी एवं सड़क किनारे में पड़े रहने से वातावरण दूषित और सांस लेना मुश्किल हो गया है। विलुप्त गिद्धों की प्रजातियों को सुरक्षित रखने के लिए पशुपालन और वन विभाग भी लापरवाह हैं। पर्यावरण को स्वच्छ रखने वाले गिद्धों के विलुप्त होने के कारण जानने की कोशिश भी नहीं की गई है। वन विभाग की मानें तो डेढ़ दशक पहले हसनपुर रेंज में एक गिद्ध देखा गया था। तत्कालीन डीएफओ विभाष रंजन ने उसकी सुरक्षा, संरक्षण एवं नस्ल बढ़ाने की योजना तैयार की। वन क्षेत्राधिकारी हसनपुर को निर्देशित भी किया लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद पूरा प्लान चौपट हो गया। तब से अब तक मंडल में गिद्धों का नामोनिशान मिट गया है यानी एक भी गिद्ध नहीं है।अध्ययन में ये बात सामने आई है कि देशभर में गिद्धों की नौ प्रजातियां हैं जिनमें वाइड बैक्ड वल्चर व दो अन्य प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं। अन्य प्रजातियां भी विलुप्त होने के कगार पर हैं। पार्कों, जंगल वमैदानी क्षेत्र में भी गिद्ध नजर नहीं आते हैं। पारिस्थितिकी संतुलन में अहम् भूमिका निभाने वाले इन गिद्धों की संख्या 1980 के दशक में देशभर में करोड़ों में थी जो अब घटकर हजारों में रह गई है। गिद्धों के विलुप्त होने के कारण किसानों द्वारा पशुओं के चारे में प्रयोग किए जाने वाले रसायन। मरने के बाद इन पशुओं का मांस खाने से गिद्धों में बीमारी। वन विभाग द्वारा गिद्धों की गणना के लिए ठोस योजना तैयार नहीं करना और लापरवाही बरतना। गिद्धों के संरक्षण के लिए योजना नहीं, बनाना। पेड़ों का अंधाधुंध कटान और नई बस्तियां। गिद्धों के लिए टास्क फोर्स का गठन नहीं होना। घटती संख्या का कारण- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अनिल बंसल कहते हैं कि रायल सोसायटी फार प्रोटेक्शन आफॅ वर्ड्स व दीगर समितियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि गिद्धों की विलुप्ती का कारण डाइक्लोफेनॉक दवा थी जो पशुओं को दी जाती थी। पशुओं के मृत शरीर पर आश्रित गिद्धों के लिए ये दवा जहर बन गई। प्रयास- प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी सुरेश कुमार कहते हैं कि वर्ष 2006 में गिद्धों की घटती संख्या से चिंतित केंद्र साकार ने इसका कारण बनी डाइक्लोफेनॉक दवा पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद गिद्धों को विलुप्त होने से बचाने के लिए संरक्षण ब्रीडिंग कार्यक्रम किए गए। बुद्धिजीवियों की राय-चौधरी सदाकत हुसैन एडवोकेट कहते हैं कि गिद्धों के विलुप्त होने से पर्यावरण खतरे में है। पगडंडी व सड़क किनारे मृत पशुओं के कंकाल सड़ने से पर्यावरण दूषित हो रहा है जो जनजीवन के लिए बड़ा खतरा है। दूषित पर्यावरण से जल भी प्रदूषित हो रहा है। जिसके पीने से पशुओं में भी अनेक संक्रामक रोग फैलते हैं। पानी का दूषित होना फसलों के अलावा आम, अमरूद के बाग, इंसान, जानवर व पक्षियों के जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। लिहाजा पर्यावरण शुद्ध रखने के लिए गिद्धों का होना भी लाज्मी है। बुद्धिजीवी शाहनवाज मलिक कहते हैं पर्यावरण की सुरक्षा जरूरी है। पर्यावरण का दूषित होना इंसान व जानवरों के जीवन के लिए खतरे की घंटी है। गिद्ध पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अहम् भूमिका निभाते हैं। मृत पशु गिद्धों का पसंदीदा भोजन है। गिद्ध इस विशुद्ध मांस को खा जाते हैं जिससे माहौल सुरक्षित रहा है। प्रदूषण की संभावनाएं कम हो जाती हैं। लोगों को भी पर्यावरण सुरक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं में सहयोग करना चाहिए।

दूर हुईं जिला गजेटियर की त्रुटियां, मंडलीय कमेटी करेगी फाइनल...शासन को भेजा जाएगा जिला गजेटियर

मुरादाबाद- जिला गजेटियर की त्रुटियां दूर कर ली गई हैं। जिसे अब मंडलीय कमेटी फाइनल करेगी। मंडलायुक्त की टेबल पर पहुंचने से पहले उसे दोबारा चेक किया जा रहा है। 300 पेज में जिले का डिटेल दर्ज किया गया है। फाइनल मुहर लगने के बाद शासन को भेज दिया जाएगा। यूपी का मॉडल गजेटियर मुरादाबाद में तैयार किया गया है। जिसमें ऐतिहासिक, भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक पहलू भी जानकारी से लेकर अध्याय की शामिल हैं। 11 मुरादाबाद के उद्योगों प्रश्नावलियों में प्रशासनिक व्यवस्था से लेकर पुलिस और एडीएम प्रशासन सभी विभागों का सुधार करवा कर डाटा है। डिटेल भेज दिया है। गुलाब चंद ने इसमें अवलोकन के बाद मंडलायुक्त के शासन में प्रमुख संपादक जिला गजेटियर विभाग को इसकी प्रति भेजी जाएगी और इसे वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा। शासन स्तर से यह पास होगा, उसके बाद अन्य जिलों में भेजा जाएगा। मुरादाबाद के साथ ही लखनऊ भी जिला गजेटियर बना रहा है। मुरादाबाद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने इस गजेटियर की सामग्री करे संकलित करवाया है। गजेटियर तैयार पहले हो गया था, लेकिन कुछ अशुद्धियां दूर करने के लिए एडीएम प्रशासन ने इसकी जिम्मेदारी एक एसडीएम समेत कुछ अन्य अधिकारियों को दी थी, उसे पूरा करके इसे भेज दिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव भी इसे चेक करेंगे, इसके बाद मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह इस पर मुहर लगाएंगे।

मुकदमा वापस न लेने पर दी चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी, पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

नैनीताल निवासी पति ने पीड़िता को दिया तीन तलाक, पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट

मुरादाबाद- मुकदमा वापस नहीं लेने पर पति के कहने पर साथी होमगार्डों द्वारा पीड़िता को धमकाया गया। इनकार करने पर चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दी गई। कचहरी आए नैनीताल निवासी पति ने भी धमकी देते हुए पीड़िता को तीन-तलाक भी दे दिया। पीड़ित होमगार्ड की शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में पति व साथी होमगार्ड समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना मझोला क्षेत्र के जयंतीपुर निवासी रुखसार होमगार्ड है। थाना सिविल लाइंस पुलिस को दी गई तहरीर में महिला होमगार्ड रुखसार ने बताया कि उसकी शादी उत्तराखंड के जनपद नैनीताल के रामनगर निवासी अब्दुल हकीम से हुई थी। दोनों के बीच आपसी विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में भी विचाराधीन है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पूर्व में दर्ज कराए मुकदमों में आरोपी पति लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा है। उसने साथी होमगार्ड मोहम्मद उमर, शरीफ, जाविर से भी धमकी दिलवाई। विरोध करने पर चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में होमगार्ड मोहम्मद उमर, शरीफ, जाविर व पति अब्दुल हकीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना सिविल लाइंस प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जेठ ने किया बलात्कार, शिकायत करने पर दी बेटी को जान से मारने की धमकी- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने अपने जेठ पर दुष्कर्म करने और शिकायत करने पर बेटी को जान से मारने की धमकी तथा पति पर तीन तलाक देने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी जेठ, पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि तीन साल पहले उसकी शादी कटघर थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक के साथ हुई थी। दंपती की एक डेढ़ साल की बच्ची है। पीड़िता का आरोप है कि पति, जेठ, ससुर, चचिया ससुर और फुफेरे ससुर समेत अन्य ससुराल के लोग दहेज के लिए उसका उत्पीड़न करते थे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट भी की जाती है। पीड़िता का कहना है जेठ ने उसके साथ कई बार छेड़खानी की। बीती 29 अक्तूबर 2024 की शाम वह घर में अकेली थी। परिवार के लोग बाहर गए थे। इसी दौरान जेठ उसके घर में घुस गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध करते हुए शिकायत करने की बात कही तो आरोपी जेठ ने उसकी बेटी को जान से मारने की धमकी दी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेहत दुनिया की सबसे अनमोल दौलत - विधायक भोजीपुरा शहजिल इस्लाम

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। मोदी युग में सेहत, स्वच्छता, सबका साथ सबका विकास का मंत्र पक्ष विपक्ष सभी मानते हैं।

सोमवार को नगर पंचायत रिठौरा के पूर्व चेयरमैन नुसरत अली खान के बेटे नाजिम उर्फ़ राजा खान ने राजा फिटनेस क्लब खोला जिसका शुभारंभ करने पहुंचे भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम प्रदेश प्रवक्ता मयंक उर्फ़ मोंटी शुक्ला का खालिद खान, नाजिम उर्फ़ राजा खान ने उनको पुष्प गुच्छ तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विधायक ने फीता काट कर शुभारंभ किया।इस दौरान विधायक श्री इस्लाम ने कहा दुनिया की सबसे नियामत दौलत सेहत है।हर व्यक्ति को जीवन में अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए।इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता, मोहम्मद कलीमुद्दीन,शाकिर अंसारी,धनपाल सिंह, समाजसेवी दिनेश भास्कर, अब्दुल हलीम उर्फ गरीब अहमद , मोहम्मद अशरफ,तनवीर उल इस्लाम,आर के कश्यप, पूर्व सभासद पप्पू कश्यप , फरहान खान,कोच नाजिम सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बच्चों की स्कूलों में अपार आईडी बनबाने को लेकर मां-बाप लगा रहे आधार कार्ड बनवाने को लाइनें

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। सरकार की मंशा है हर पढ़ने वाले बच्चे की अपार आईडी बने जिसको लेकर अधिकारी लगातार स्कूलों पर दबाव बना रहे हैं।

अपने आधार कार्ड बनबाओ और गलत हैं,तो सही करवाओ जिसको लेकर अशिक्षित माता-पिता ज्यादा परेशान हैं। बच्चों के स्कूलों में नामांकन के समय दी गई। जानकारी के अनुसार आधार कार्ड नहीं होने से नामांकन से मिलान नहीं करते हैं।तो उनकी अपार आईडी नहीं बन सकती है। उन्हें आधार कार्ड सही करवाने को बोला जा रहा है। वहीं आधार कार्ड बनबाना और सही करवाना काफ़ी टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।रिठौरा में यूनियन बैंक में बने आधार सेंटर पर एक दिन में केवल 15 कार्ड ही बनाए जाते हैं।जिसको लेकर काफी मारा-मारी रहती है। सोमवार को सुबह साढ़े चार बजे लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर की गुलनाज अपने दूधमुंहे बच्चे के साथ तीन बेटा, बेटियों के आधार कार्ड संशोधन को पहुंची। उसका नम्बर मुश्किल से तीन बजे आया और एक ही बच्चे का काम हुआ दो को वापस जाना पड़ा ऐसी बातें आम हैं। प्रशासन को चाहिए नगर में कम से कम एक दो आधार केंद्र और शुरू करना चाहिए। ताकि जनता का काम आसानी से हो जाए।

महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार डंपर से भिड़ी, चालक की मौत, चार घायल

यूपी के बांदा जिले में सड़क हादसा हुआ। कार व डंपर की भिड़ंत में चालक की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए।

महाकुंभ से स्नान कर आगरा लौट रहे श्रद्धालुओं की कार हरदौली और बंशीपुर के बीच सड़क किनारे खड़े डंपर से जा भिड़ी। कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मां-बहन, पड़ोसी और नौकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।आगरा जिले के नाई मंडी डागरा चौराई निवासी प्रियांशु वर्मा (25), मां नीलम वर्मा (45), बहन रिया (21), पड़ोसी विवेक (15) और घरेलू नौकर बीरा हुसैनी, आगरा निवासी गौरव माहौर (23) के साथ

प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने शनिवार को कार से गए थे। स्नान कर सोमवार को राजापुर वाया बबेरू मार्ग से लौट रहे थे। घायलों के मुताबिक सोमवार को सुबह करीब छह बजे बबेरू कोतवाली क्षेत्र के हरदौली और बंशीपुर गांव के बीच कार चला रहे प्रियांशु को झपकी आ गई। इससे बेकाबू कार सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से भिड़ गई। प्रियांशु की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार मां, बहन, पड़ोसी व नौकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बबेरू पुलिस ने कार से सभी को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस से लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया।प्रयागराज से लौट रहे लोगों की कार सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई। हादसे में एक की मौत हुई है। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। आगरा में घायलों के परिवार वालों को सूचना दी गई है। - राजीव प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी, नगर, बांदागिलट की पायल बनाने का करते थे कारोबार-जिला अस्पताल में भर्ती घायल गौरव माहौर ने बताया कि प्रियांशु वर्मा गिलट की पायल बनाने का कारोबार करते थे। पिता धर्मेंद्र वर्मा का निधन हो चुका है। वह अपनी निजी कार से अपनी मां, बहन व पड़ोसी को लेकर कुंभ स्नान करने प्रयागराज गए थे। लौटते समय यह हादसा हुआ है। प्रियांशु वर्मा अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र और अविवाहित था। गौरव ने बताया कि वह प्रियांशु के साथ दुकान में काम करता है। उनके अन्य परिजनों को सूचना दी गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

जूनियर छात्र-छात्राओं ने बारहवीं के छात्र-छात्राओं को दी विदाई पार्टी, भावुक हुए बच्चे स्क्रिबलिंग सैरेमनी प्रवेश पत्र वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।पद्मावती सीनियर सेकेड्री स्कूल में कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं ने अपने मित्रों और शिक्षकों के साथ यादगार जश्न मनाया। ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं ने विदाई दी।इस दौरान छात्र -छात्राएं भावुक हुए।विशेष क्षण को बच्चों ने अपनी कलम से स्कूल में बिताए पलों, यादों और अनुभव को स्थायित्व रूप देते हुए बहुत ही सुंदर पंक्तियां स्मारिका में लिखीं तथा टीचर्स से अपनी - अपनी डायरी व यूनीफॉर्म पर हस्ताक्षर लेते हुए शुभाशीष लिया। तत्पश्चात वाइस प्रिंसिपल शिवानी सूरी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाओं सहित प्रवेश पत्र वितरित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर एडमिट कार्ड, स्कूल पहचान पत्र ध्यान से लेकर जाएं। साथ ही पानी की ट्रांस-पैरंट बोतल लेकर जाएं , परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने का आह्वान किया।

सीट को लेकर हुआ झगड़ा, युवक को फेंक दिया ट्रेन से बाहर; यात्रियों में मच गई चीख-पुकार

कोच में यात्रियों ने धक्का देने वाले आरोपी को पकड़ लिया। इसके साथ ही आरपीएफ को भी सूचना दी। घायल की हालत गंभीर है। उसे आगरा रेफर कर दिया गया है।मथुरा के कोसीकलां में आगरा-दिल्ली रेल खंड पर दादर अमृतसर एक्सप्रेस के सामान्य कोच में सीट को लेकर यात्रियों में विवाद हो गया। गांव कोटवन के समीप एक यात्री को दूसरे यात्री ने धक्का दे दिया। जिससे गाड़ी में कोहराम मच गया।आरपीएफ की टीम ने घायल को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे आगरा के लिए रेफर कर दिया। उधर यात्रियों ने आरोपी युवक को पकड़कर पलवल आरपीएफ के

हवाले कर दियाशनिवार-रविवार की रात्रि में करीब डेढ़ बजे आगरा से दिल्ली की ओर जाने वाली 11057 दादर अमृतसर एक्सप्रेस ट्रेन के सामान्य कोच में यात्रियों के बीच सीट पर बैठने को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार घायल ने बताया कि झगड़े के बाद युवक ट्रेन के गेट पर जाकर खड़ा हो गया। आरोप है कि जब ट्रेन गांव कोटवन के पास से गुजर रही थी तभी आरोपी युवक ने उसे धक्का दे दिया। जिससे वह गिर कर घायल हो गया। यात्रियों ने युवक के ट्रेन से गिरने की सूचना रेलवे हेल्प लाइन के माध्यम से आरपीएफ को दी। इंस्पेक्टर गिर्राज सिंह, उपनिरीक्षक निति सिंह, हेड कांस्टेबिल उदल सिंह, हरेंद्र सिंह की टीम रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। टीम ने पेट्रोलिंग करके घायल युवक खोज लिया। आरपीएफ इंस्पेक्टर के अनुसार युवक ने अपना नाम असलम बेग 24 वर्ष पुत्र इस्लाम बेग निवासी कश्मीरी गेट नई दिल्ली बताया। सीएचसी प्रभारी गिरेंद्रपाल सिंह ने बताया कि घायल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे आगरा रेफर कर दिया गया। उधर ट्रेन में सवार यात्रियों ने एक युवक को आरपीएफ पलवल के सुपुर्द कर दिया है। जिसकी पहचान विजय पुत्र सोनपाल निवासी गांव कमसरा, हसायन हाथरस के रूप में हुई। आरपीएफ के अनुसार अभी उससे पूछताछ चल रही है। सूचना के बाद घायल असलम बेग के परिजन अस्पताल पहुंच गए।

बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं से मारपीट, चढ़ावे को लेकर सेवायतों से विवाद; महिलाओं को भी नहीं बख्शा

महिला श्रद्धालुओं ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन सेवायतों ने उन्हें भी नहीं बख्शा। उनसे भी मारपीट की गई। पुलिस ने दो सेवायतों को हिरासत में लिया है।वृंदावन का प्रसिद्ध ठाकुर

बांकेबिहारी मंदिर एक बार फिर विवादों में घिर गया है। सोमवार सुबह मंदिर में चढ़ावे को लेकर सेवायतों और श्रद्धालुओं के बीच जमकर मारपीट हुई। यह घटना तब हुई जब मुंबई से 17 श्रद्धालुओं का एक समूह दर्शन के लिए मंदिर पहुंचा। बताया जा रहा है कि चढ़ावे को लेकर सेवायतों और श्रद्धालुओं के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि हाथापाई शुरू हो गई।मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में यह पूरी घटना कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि सेवायत और श्रद्धालु एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाते नजर आ रहे हैं। विवाद के बीच मंदिर के अन्य सेवायत और गोस्वामी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि महिला श्रद्धालुओं ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी बुरी तरह पीटा गया। इसके बाद पीड़ित श्रद्धालु वृंदावन कोतवाली पहुंचे। मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने श्रद्धालुओं की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों में घनश्याम, लक्ष्मी और सुमन का मेडिकल करवाया गया है। वहीं, पुलिस ने मंदिर में कार्यरत दो सेवायतों को हिरासत में ले लिया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अन्डर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट में रहा राजश्री कालेज का दबदबा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेण्ट एण्ड टैक्नोलॉजी, बरेली में चल रहे अन्डर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट राजश्री क्रिकेट

एकेडमी, बरेली ने ब्रेनवेव्स क्रिकेट एकेडमी, हापुड़ को हराकर अपने नाम किया। समापन समारोह के अवसर पर संस्थान की एकेडमिक एडवाइजर इं0 तूलिका अग्रवाल, बरेली क्रिकेट एसोशिएशन के सचिव सीता राम सक्सेना ने 134 रन बनाने वाले मैन ऑफ द टूर्नामेण्ट शिवांश गोयल सहित विजेता टीम को ट्रॉफी से नवाजा एवं खिलाड़ियों को निरन्तर अभ्यास जारी रखने और आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। संस्थान के प्रबन्ध निदेशक इं0 रोहन बंसल ने कहा कि राजश्री क्रिकेट एकेडमी क्षेत्र सहित सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश एवं निकटवर्ती राज्यों के खिलाड़ियों के क्रीडा कौशल को निखारने एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के लिये प्रयासरत है। रोचक मैच में एम्पायर ओ0 पी0 कोहली एवं माजिद हसन खान की मौजूदगी में राजश्री एकेडमी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी कर 344 रन का लक्ष्य दिया। जबाब में उतरी ब्रेनवेव्स क्रिकेट एकेडमी, हापुड़ की टीम 205 रनों पर ढेर हो गई। मैच में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में यश व्यास 120 रन, बेस्ट वॉलर ऑफ द टूर्नामेण्ट हर्षित तोमर के प्रयास को सराहा गया। मैच के पुरूस्कार वितरण समारोह में डीन डॉ? साकेत अग्रवाल, निदेशक डॉ? पंकज कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, कोच अभिषेक श्रीवास्तव, सृष्टि अरोरा, दीक्षा जौहरी एवं गौरव सागर आदि उपस्थित रहे।

पुलिस मॉडर्न स्कूल में इंटर के छात्रों के साथ फेयरवेल पार्टी मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- पुलिस मॉडर्न स्कूल पुलिस लाइन बरेली में कक्षा 12 के विधार्थियों को फेयरवेल पार्टी दी गई जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों का स्वागत के साथ साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए

गए। कार्यक्रम में मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल का चयन किया गया। और कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रधानाचार्या डॉक्टर किरन देवी ने विधार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और सभी स्टॉफ का आभार व्यक्त किया ।।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश की अध्यक्षता में

आज पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में वेण्डर की समस्याओं के समाधान डिस्कॉम स्तर पर एवं बैंकों के स्तर पर लंबित समस्याओं को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक में अनुपस्थित वेण्डर को नोटिस दिये जाने हेतु परियोजना अधिकारी यूपीनेडा को निर्देशित किया गया बैठक में बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 100000 के सापेक्ष 5024 वेण्डर सिलेक्शन एवं 2224 संयंत्र स्थापना का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 1813 लाभार्थियों को अनुदान अवमुक्त किया जा चुका है बैठक में परियोजना अधिकारी यूपीनेडा, लीड बैंक मैनेजर, विद्युत विभाग के अधिकारी, इम्पैनल्ड वेण्डर सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने की गन्ना विभाग के कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में गन्ना विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए किसानों को गन्ना मूल्य का समय से भुगतान कराने के लिए कहा। उन्होंने चीनी मिलों के अधिकारियों से कहा कि जो लक्ष्य है उसको पूर्ण किया जाए। वहीं उन्होंने यदु शुगर मिल के प्रबंधक से कहा कि वह कार्य में सुधार करते हुए गन्ना मूल्य भुगतान समय से करें अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यदु शुगर मिल के प्रबंधक से तत्काल गन्ना

भुगतान का शेड्यूल बनाकर उपलब्ध कराने के लिए कहा।जिलाधिकारी ने यदु शुगर मिल के प्रबंधक से कहा कि वह 15 फरवरी तक मिल में एएनपीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रीडर) कैमरा लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला गन्ना अधिकारी से कहा कि किसानों से ज्यादा करदा काटने की शिकायत ना आए। उन्होंने क्रय केन्द्रों आदि का निरीक्षण बढ़ाने के लिए कहा। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि शेखूपुर किसान सहकारी मिल शेखूपुर द्वारा 28 दिसंबर 2024 तक का तथा यदु शुगर मिल द्वारा 02 दिसंबर 2024 तक का गन्ना मूल्य का भुगतान किसानों को कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद से 07 चीनी मीलें किसानों का गन्ना लेती है, जिसमें से दो जनपद में है शेष समीपवर्ती जनपदों में स्थापित हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, दी किसान सहकारी चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक गुलशन कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

15 फरवरी को होगा शक्ति कार्यशाला का आयोजन, डीएम ने की तैयारियों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डायट ऑडिटोरियम में 15 फरवरी को आयोजित होने वाले शक्ति कार्यशाला कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम को भव्य रूप से एक यादगार कार्यक्रम के रूप में आयोजित करने के लिए कहा। उन्होंने सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने बताया कि शक्ति कार्यशाला में समाज में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति लब्ध महिलाओं से संवाद अन्तर्गत डॉ0 अरुणिमा

सिन्हा, पदम श्री स्नेह पाण्डेय, श्रुति कुशवाहा व गुलशन हसन मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग करेंगी तथा वुमनिया बैंड का लाइव परफॉर्मेंस होगा तथा थिएटर परफॉर्मेंस के माध्यम से महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शक्ति कार्यशाला का आयोजन डायट परिसर स्थित ऑडिटोरियम में 15 फरवरी दिन शनिवार को आयोजित किया जाना है। कार्यक्रम के लिए मुख्य विकास अधिकारी प्रभारी तथा अपर जिलाधिकारी प्रशासन को सह प्रभारी बनाया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों को कार्य आवंटित किए गए हैं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, माध्यमिक शिक्षा, पुलिस व स्वास्थ्य विभागों के स्टाल भी लगाए जाएंगे। सभी स्टॉल एक्टिविटी बेस्ड स्टॉल के रूप में कार्य करें, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री बी0एल0 वर्मा मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर सम्बंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

भाई ने ही की भाई की हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच

एसएसपी डा0 बृजेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत श्री कृष्ण कान्त सरोज पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व श्री कर्मवीर सिंह क्षेत्राधिकारी सहसवान के पर्यवेक्षण में थाना जरीफनगर पुलिस द्वारा ग्राम मिर्जापुर मोहसनपुर में एक व्यक्ति हरपाल पुत्र अतरसिंह की हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त रजनेश उर्फ नन्हे (मृतक का सगा छोटा भाई) को गिरफ्तार किया गया वादी श्री मुनीश पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम मिर्जापुर मोहसनपुर की तहरीरी सूचना के आधार पर मु0अ0स0 027/2025 धारा 103(1)/134/3(5) बीएनएस बनाम 1.कल्यान पुत्र बाबूराम

2.रामगुलाम पुत्र मदनलाल निवासीगण ग्राम मिर्जापुर मोहसनपुर व 3.रोतास पुत्र देवन्द्र सिंह निवासी ग्राम आरिफपुर भगता नगला पंजीकृत किया गया । उक्त अभियोग की विवेचना थाना प्रभारी श्री अश्वनी कुमार के सुपुर्द की गई । दौरानें विवेचना तथ्य प्रकाश में आये कि मृतक हरपाल पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम मिर्जापुर एक शराबी प्रवृत्ति व हेकड़ किस्म का व्यक्ति था, जो शराब के नशे में अक्सर महिलाओं के साथ बद्तमीजी किया करता था । मृतक हरपाल पूर्व में मु0अ0सं0 133/14 धारा 323/376डी/392 भादवि, 3/4 पाक्सो व 3(2)V SC/ST Act थाना जरीफनगर में जेल जा चुका है । मृतक हरपाल के दो भाई मुनीश व रजनेश उर्फ नन्हे हैं । मुनीश अपनी पत्नी और बच्चो के साथ गांव में बनें अपनें पुरानें घर में रहता है, जबकि रजनेश उर्फ नन्हे और मृतक हरपाल गांव के बाहर अपनें घेर में रहते थे । मृतक हरपाल अक्सर शराब के नशे में अपनें भाई रजनेश उर्फ नन्हे की पत्नी के कमरे में घुसकर उसके साथ बदतमीजी किया करता था व जबरदस्ती शारीरिक सम्बन्ध बना लेता था, रजनेश उर्फ नन्हे के विरोध करनें पर उसे भी मारता पीटता था । जब रजनेश उर्फ नन्हेनें अपनें बड़े भाई मुनीश को यह बात बताई और मुनीश नें भी विरोध किया तो वह मुनीश को भी मारता पीटता था, दोनों भाई मृतक हरपाल से डरते थे । यह बात गांव में आम है कि मृतक हरपाल अपनें दोनों भाईयों को मारता पीटता था और गांव में भी अक्सर लोगो से झगड़ता रहता था ।प्रकाश में आये अभियुक्त रजनेश उर्फ नन्हे उपरोक्त द्वारा पूछताछ के दौरान अपने जुर्म को स्वीकार कर लिया गया है जिसको गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त की निशांदेही से घटना में प्रयुक्त एक अदद साडी को मृतक के घर में बने कमरे से बरामद किया गया है।

डीएम ने बच्चों को एल्बेन्डाजॉल की टेबलेट खिलाकर किया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने सोमवार को मदर एथीना स्कूल निकट मण्डी समिति ककराला रोड़ बदायूँ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारम्भ बच्चों को एल्बेन्डाजॉल की टेबलेट खिलाकर किया गया। जनपद में 1877200 बच्चों के लक्ष्य के सापेक्ष कृमि मुक्ति दिवस पर 1511729 बच्चों को एल्बेन्डाजॉल टेबलेट का सेवन कराया गया। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव हेतु एल्बेन्डाजॉल टेबलेट का सेवन करने व अपने आस-पास साफ- सफाई रखने व अन्य बच्चों को भी कृमि संक्रमण की दवा खिलाने हेतु जागरुक कर

स्वस्थ भविष्य का संदेश दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामेश्वर मिश्र ने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों, किशोर व किशोरियों में कुपोषण एवं खून में कमी होती है जिसके कारण हमेशा थकावट रहती है। सम्पूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पाता। यह दवा वर्ष में 02 बार 01-19 वर्ष की आयु के सभी बच्चों किशोर किशोरियों को खिलायी जाती है। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों एवं किशोर व किशोरियों को कृमि नियंत्रण की गोली (चबाने वाली) सभी सरकारी व सहायता प्राप्त/प्राइवेट विद्यालयों, मदरसों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में नि:शुल्क उपलब्ध है। जो बच्चो सोमवार को किन्ही कारणों से गोली का सेवन करने से छूट गये हैं, उन्हें 14 फरवरी 2025 को मॉप-अप दिवस पर गोली खिलायी जायेगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि कृमि संक्रमण की रोकथाम आसान है। उन्होंने बताया कि खुले में शौच न करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें, आस-पास सफाई रखें, साफ पानी से फल व सब्जियाँ धोएं, हमेशा साफ पानी पियें, खाने को ढक कर रखें, नाखून साफ और छोटे रखें, जूते व चप्पल पहनें, हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौंच के बाद अवश्य हाथ धोएं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामेश्वर मिश्र, नोडल अधिकारी आरकेएसके, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीसीपीएम, अर्बन हैल्थ कोर्डिनेटर, जिला कन्सलटेन्ट आरकेएसके, जिला समन्वयक एविडेंस एक्शन, स्कूल की प्रधानाचार्य, अध्यापकगण व छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर में हादसा: स्कूल का जर्जर भवन गिराने के दौरान मलबे में दबे दो मजदूर, एक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

पड़री चांदपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय का कुछ हिस्सा काफी पुराना होने से जर्जर हो चुका है। सोमवार को ठेकेदार जर्जर भवन को ध्वस्त करा रहा था। इसी दौरान अचानक बीम गिरने से दो मजबूर दब गए। इनमें एक मजदूर की मौत हो गई। शाहजहांपुर के बंडा क्षेत्र के पड़री चांदपुर गांव में सोमवार शाम जर्जर हो चुके प्राथमिक विद्यालय भवन को ध्वस्त किए जाने के दौरान मलबे के नीचे दो मजदूर दब गए। इस हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो

गया। घायल मजदूर को सीएचसी से राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।गांव में बने प्राथमिक विद्यालय का कुछ हिस्सा काफी पुराना होने से जर्जर हो चुका है। स्कूल भवन के इस हिस्से को प्रशासन ने ध्वस्त करने के निर्देश दिए थे। एक ठेकेदार द्वारा स्कूल भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य कराया जा रहा था। सोमवार शाम करीब चार बजे कुछ मजदूर इस काम में जुटे थे। इसी दौरान अचानक भवन की छत से एक बीम अचानक नीचे गिर गई। उसकी चपेट में आकर पीलीभीत जिले के घुंघचाई थानांतर्गत गांव पिपरिया मजरा निवासी 25 वर्षीय अर्जुन और इसी गांव के नीरज बीम के नीचे मलबे में दब गए।मलबे में दबे मजदूरों को ठेकेदार ने अन्य मजदूरों की मदद से जब तक बाहर निकाला, अर्जुन की मौत हो गई। इस हादसे के बाद मजदूर वहां से भाग गए। इस वजह से ठेकेदार ने स्कूल भवन गिराने का काम रोक दिया। उसने गंभीर घायल नीरज को सीएचसी पर भिजवाया। वहां उसकी हालत गंभीर देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल - मृतक अर्जुन चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। करीब डेढ़ वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी। उसके पांच माह की एक पुत्री भी है। उसकी मौत से पत्नी सोनी देवी, मां मुन्नी देवी, भाई अरुण, तरुण व अनुज का रो- रोकर बुरा हाल हो गया। अर्जुन मजदूरी करके जैसे-तैसे अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। थाना प्रभारी सोनी शुक्ला ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। उनका कहना है कि तहरीर मिलने पर उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मानवता के मिसाल बने फूड कंट्रोलर स्ठरू त्योथर शाखा प्रबंधक फूड इंस्पेक्टर एवं सहकारिता निरिक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच-प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा जिले के रैन बसेरा चाकघाट में फसे महाकुंभ प्रयागराज तीर्थ जा रहें श्रद्धालुओं की भोजन पानी दूध की सम्पूर्ण ब्यावस्था मे लगे फूड कंट्रोलर रीवा जादौन यस डी यम त्यौंथर संजय जैन?

शाखा प्रबंधक अशोक मिश्रा फूड इंस्पेक्टर विनीत मिश्र अंबरीश देव बघेल सहकारिता निरीक्षक और कर्मचारी 24घंटे से ज्यादा लगातार मैनिटरिंग करते हुऐ और किसी को कोई परेशानी न हो खुद खाद्य कंट्रोलर मौके पर उपलब्ध है बहुत ही सराहनीय? कार्य देखने में आया है साथ में समित के कर्मचारी चंद्रशेखर मिश्र माधव नारायण पाठक प्रमोद ओझा सेवाए बार्डर पर दे रहे है और मानवता की मिशाल कायम किए है हर जगह चर्चा का विषय बना हुआ है मीडिया से चर्चा करते हुए श्रद्धालु ने बताया कि आप सभी के सहयोग से हम लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा सभी श्रद्धालुओं ने रीवा जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों कर्मचारीका आभार व्यक्त किया है

आस्था वेलफेयर ट्रस्ट के सौजन्य से अम्बा ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली, झिंझाना। शहर झिंझाना में बिडौली अड्डे पर हिंदुस्तान क्लीनिक पर आस्था वेलफेयर ट्रस्ट के सौजन्य से अम्बा ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे लोगो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। शिविर में लगभग 95 लोगो ने रक्तदान किया। शिविर में डॉ. अरशद सलीम, डॉ अब्दुर रहीम खान, जहांगीर मेंबर का विशेष सहयोग रहा। ब्लड बैंक की टीम में अमित चौधरी, योगेंद्र चौहान, प्रदीप, विशाल व कोमल आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शामली में पंचकल्याणक महोत्सव के अवसर पर आज घट यात्रा बड़े धूमधाम के साथ निकाली गई है

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली धर्म नगरी में पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू हो गया है यह प्राण प्रतिष्ठा 15 फरवरी तक चलेगी जिसमें आज भगवान श्री को घट यात्रा के साथ पार्श्वनाथ जिनालय जैन मोहल्ला, बड़े मंदिर से भगवान शोभायात्रा बैंड बाजे हाथी घोड़ा के साथ शुरू होकर

बीच वाले आदिनाथ जिनालय जैन मंदिर एक ओर श्री जी की प्रतिमा साथ लेकर से भगवान श्री को पालकी में विराजमान कर बड़े बाजार को होती हुई रथ यात्रा भगवान पालकी यात्रा गांधी चौक शिव चौक रेलवे रोड को होती हुई श्री महावीर भगवान जिनालय जैन मंदिर, भगवान महावीर मार्ग, मिल रोड होते हुए भगवान श्री को लेकर शोभा यात्रा बैंड बाजा भजन कीर्तन के साथ पंचकल्याणक महोत्सव राजगृही स्थल ङ्क ङ्क इंटर कॉलेज पर पहुंचे।

शोभायात्रा में जैन समाज ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, शोभायात्रा में रवि जैन, मयंक जैन, प्रवीण जैन, मोहित जैन, श्रीपाल जैन, बंटी जैन, अमर जैन, ललित जैन अनुज जैन, पंकज जैन, राजेंद्र जैन, बबलू जैन आदि मौजूद रहे। संचालन बड़े धूमधाम से हुआ।

किसान का खेत में मिला क्षत-विक्षत शव, परिवार के लागों ने जताई हत्या की आशंका, इलाके में फैली सनसनी

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेंद्र तिवारी

बहराइच। यूपी के बहराइच जनपद के पत्थरपुरवा गांव निवासी एक किसान का शव उसके ही गेहूं के

खेत में मिला है। पुत्र और अन्य ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खैरी समैसा के मजरा पत्थरपुरवा गांव निवासी सुंदर मौर्य (46) पुत्र पुत्तीलाल किसान थे। रविवार को वह फसल की रखवाली के लिए गांव में स्थित खेत में गए। लेकिन देर रात तक नहीं लौटे। परिवार के लोगों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर सभी ने मोतीपुर पुलिस को सूचना दी। सोमवार को सभी सुंदर मौर्य की तलाश में लगे थे। सोमवार सुबह परिवार के लोग तलाश करते हुए खेत में पहुंचे तो सभी ने देखा की सुन्दर मौर्य का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। इस पर परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। पुलिस को सूचना दी गई। थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बेटे और पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया है। इस मामले में थानाध्यक्ष आरके पांडेय से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चलेगा। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जायेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ दन्त चिकित्सा इकाई और सौंदर्यकरण कार्य का लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच-नीरज कुमार

उरई - सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र का जिला खनिज न्यास निधि से दन्त चिकित्सा इकाई और एम. एन. सी. यू. के सौंदर्यकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर छत को सुधारने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए एस्टीमेट बनाकर कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। इसके अलावा, परिसर में मिट्टी भराव कर समतलीकरण करने, बाउंड्री वॉल एवं नाले का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि अस्पताल परिसर की स्थिति और बेहतर हो सके। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को इन निर्देशों के पालन हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया। इस कार्य से न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि मरीजों को बेहतर उपचार का माहौल भी मिलेगा। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों का विकास समाज की समृद्धि में अहम योगदान निभाता है और यह कदम उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोकार्पण से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ और समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जो उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मददगार साबित होंगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान पूर्व किया जिले का दौरा, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए दिए आवश्यक निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन एवम पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने नगरीय निकाय चुनाव के मतदान दिवस 11 फरवरी के पूर्व आज जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का सघन निरीक्षण

किया एवम मतदान पूर्व स्थिति का जायजा। इस दौरान उन्होंने बिश्रामपुर, भटगांव, जरही और प्रतापपुर का दौरा किया और सम्बंधित मतदान केंद्र के मतदान अधिकारियों से आवश्यक चर्चा की एवं सुरक्षित वातावरण में निष्पक्ष एवं शांति पूर्ण मतदान के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर एवम एसपी ने स्ट्रांग रूम एवम काउंटिंग रूम का भी निरीक्षण किया और वहां की सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही संपूर्ण मतदान के दौरान उन्होंने जिले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही इस दौरान उन्होंने मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान डीएफओ श्री पंकज कमल, रिटर्निंग ऑफिसर श्रीमती शिवानी जायसवाल, श्रीमती ललिता भगत,श्री सागर सिंह, श्री शिव नारायण राठिया, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर भटगांव, प्रतापपुर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

62वीं वाहिनी, एस.एस.बी, भिनगा में सैनिक सम्मेलन का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा मुख्यालय में कमांडेंट श्री अमरेन्द्र कुमार वरुण की अध्यक्षता में सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया सम्मेलन की शुरुआत एस.एस.बी शीर्षक गीत से हुई, जिसके पश्चात से संबंधित विभिन्न दिए गए । जवानों को अनुशासन बनाए रखने के सुरक्षा में अपनी भूमिका को प्रेरणा दी । उन्होंने ड्यूटी के साथ नेपाली नागरिकों से करने को कहा, बिना व्यक्तिगत ऋण न लेने तथा लिए अपनी दिनचर्या में खेल गतिविधियों को

प्रेरित किया साथ ही साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला । इस दौरान जवानो की समस्या के बारे में पूछा और उनका समाधान भी किया । जवानों को उनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सराहना व्यक्त करते हुए उनके सुखद और खुशहाल जीवन की कामना की व सम्मेलन के अंत मे राष्ट्रगान और %भारत माता की जय% के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । इस अवसर पर उप-कमांडेंट पीयूष सिन्हा, सोनू कुमार, गोबर्धन पुजारी सहित अन्य अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे । जवानों को सीमा सुरक्षा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सतर्कता और साथ-साथ राष्ट्र की जिम्मेदारी से निभाने की दौरान सुरक्षा के साथ-नम्रतापूर्वक व्यवहार आवश्यकता के शारीरिक मजबूती के पी.टी. के साथ-साथ शामिल करने के लिए

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान पेट के कीडों से छुटकारा, सेहतमंद भविष्य हमारा

क्यूँ न लिखूँ सच-नीरज कुमार

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत 1 से 19 वर्ष तक के सभी किशोर-किशोरियों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए कृमि मुक्ति अभियान का शुभारम्भ ठाकुर महेन्द्र सिंह पब्लिक स्कूल उरई

व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डेकोर में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से बच्चों को एल्बेडाजॉल की दवा खिलाकर कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा द्वारा कृमि मुक्ति दिवस अभियान के वारे में अवगत कराया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी 2025 को सभी सरकारी, मान्यता प्राप्त व प्राइवेट विद्यालय तथा आंगनबाडी केन्द्रों में पंजीकृत किशोर किशोरियों तथा विद्यालय न जाने वाले 1 से 19 वर्ष किशोर किशोरियों को एल्बेडलाजोल की दवा खिलाई जायेगी। छूटे हुए किशोर किशोरियों को 14 फरवरी 2025 का आयोजित मॉअप दिवस पर दवा खिलाई जायेगी। इस अभियान के अन्तर्गत जनपद में संचालित सभी स्कूलों व आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से 735900 किशोर किशोरियों को कृमि मुक्ति की दवा खिलाई जायेगी। गौरीशंकर वर्मा मा0 सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने अपने उ?द्बोधन में कहा कि किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य एवं शेक्षिक स्तर में वृद्धि के लिए स्कूल व आंगनबाडी केन्द्रों मे एल्बेडाजॉल की दवा खिलाई जाती है, उन्होंने कहा कि इसकी गंभीरता को समझें और अपने बच्चों को अल्बेंडाजोल खिलाएं। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने उ?द्बोधन में कहा कि हुक कृमि, व्हिप कृमि, राउण्ड कृमि मनुष्य की आंत में रहते हैं और जिवित रहने के लिए मानव शरीर के जरूरी पोषक तत्वों को खाते हैं। कृमि संक्रमण से पेट दर्द, दस्त, कमजोरी, उल्टी व भूख न लगना आदि लक्षण पाये जाते है। कृमि संक्रमण से बचाव हेतु नाखून साफ और छोटे रखें, हमेसा साफ पानी पीएं, खाने को ढंक कर रखें, साफ पानी से फल व सब्जियों धोएं, अपने हाथ साबुन से धोए विशेषकर खाने से पहले और शौंच जाने के बाद, खुले में शौंच न करें हमेशा शौचालय का प्रयोग करें, जूते पहने, आस-पास सफाई रखें। अभियान के अन्तर्गत 1-2 वर्ष तक बच्चों को आधी गोली 200 एम0जी0 पीसकर, 2-3 वर्ष-1 गोली 400 एम0जी0 पीसकर तथा 3-19 वर्ष-1 गोली 400 एम0जी0 चबाकर खिलाना है। इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डा0 वीरेन्द्र सिंह अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 देवेन्द्र भिटौरिया, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर व विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षक / शिक्षिकाऐं एवं बच्चें उपस्थित रहे।

नगरीय निकाय निर्वाचन 2025: मतदान दल को मतदान केन्द्रों के लिए किया गया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के तहत 11 फरवरी को होने वाले स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान के लिए जिले के एक नगर पालिका और चार नगर पंचायत के लिए सामग्री वितरण कर मतदान दलों को रवाना किया गया। मतदान केन्द्रों के लिए सामग्री वितरण कर मतदान दलों को रवाना किया गया। मतदान का समय सुबह 08 बजे से शाम 05 बजे तक निर्धारित है। जिले के पांच नगरीय निकाय नगर पालिका सूरजपुर, नगर पंचायत बिश्रामपुर, जरही, भटगांव और प्रतापपुर के 78 वार्डो के लिए 78 मतदान केन्द्र बनाया गया है। जिसमें मतदाताओं की संख्या 47 हजार 319 है। इसके अंतर्गत

पुरूष मतदाताओं की संख्या 23 हजार 715, महिला मतदाताओं की संख्या 23 हजार 603 है। इन सभी निकायों में 78 मतदान केन्द्र है। मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी अपने-अपने मतदान केंद्र के लिए सामग्री प्राप्त कर मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हुए। सभी नगरीय निकाय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी राजनीतिक दल के अभ्यर्थी एवं प्रतिनिधि की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम को खोला गया। इसके बाद मतदान दल को सामग्री का वितरण प्रारंभ किया गया।

संक्षिप्त समाचार

खंड़जा लगाने के नाम पर पैसों का हुआ बंदर बांट सड़क पर नहीं लगा खइन्जा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरी कोटिया में गांव के बगल नहर से शकिर के खेत तक खड़ंजा लगाने का प्रस्ताव पास हुआ जिस पर पूर्व प्रधान द्वारा मोटी रकम निकालकर

बंदर बांट कर लिया गया और आज तक उस रोड पर खड़न्जा नहीं लगा है ग्रामीणों ने पूर्व प्रधान के खिलाफ सरकारी धन के बंदर बांट करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से जांच करने की मांग किया है क्योंकि मोटी रकम सरकारी धन को पूर्व प्रधान हजम कर गए यह सड़क 2019- 20 में पैसा निकाल कर ग्राम प्रधान और सचिव मिली भगत करके गमन कर लिया और खंड़न्जा नहीं लगा यादि प्रशासन द्वारा इस खड़न्जे की जांच कराई जाए तो सरा हकीकत सामने आ जाएगा ग्रामीणों ने जिला अधिकारी श्रावस्ती से सड़क की जांच कर कर सरकारी धन की रिकवरी करने की मांग किया है जो कई लाखो रुपए का घोटाला है

दहेज हत्या के 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती - पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में

अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी इकौना सतीश कुमार शर्मा के कुशल पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष सोनवा उ0नि0 गणनाथ प्रसाद के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 17/2025 धारा 85,80(2) बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट में वांछित 02 अभियुक्त को ग्राम भारीगांव मोड़ के पास के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तगण में केदारनाथ पुत्र साधूरा, अरविन्द पुत्र केदारनाथ नि0गण बरदेहरा भारीगांव थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती।

मार्ग दुर्घटना में मासूम समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती - श्रावस्ती में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई भीषण सड़क हादसे में एक मासूम सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस मौत की खबर से घरों में मातम पसर गया। जनपद श्रावस्ती के थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत भिनगा बाजार में बजाज एजेंसी के सामने एक बाइक सवार को बस ने जोरदार ठोकर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों ने युवक को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिस ने शव की शिनाख्त करवाने की कोशिश की परंतु समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। ऐसे में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरी घटना देर रात नवीन मॉडर्न थाना श्रवस्ती अंतर्गत कटरा बाजार निवासी हिमांशु उम्र 18 वर्ष पुत्र स्वामीनाथ जो अपने चचेरे भाई की पत्नी निरंजनी पत्नी पंकज विश्वकर्मा उम्र 32 वर्ष व उसका 3 वर्ष का छोटा मासूम अनमोल को उसके मायके जनपद बलरामपुर के तुलसीपुर में लेने के लिए गया हुआ था जो शनिवार देर रात वापस लौटते समय ओड़झार के पास ट्राली से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी की बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाते हैं मौके पर पहुंची 112 व थाने की पुलिस ने एंबुलेंस से तीनों घायलों को ष्ट।ष्ट इकौना लाया गया जहां चिकित्सकों ने पंकज की पत्नी निरंजनी व उसके मासूम बेटे अनमोल को मृत घोषित कर दिया। जबकि बाइक चालक हिमांशु की प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होता देख उसे बहराइच ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

नाली व खड़न्जा निर्माण न होने के कारण रास्ते पर भरा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत महोली बनकटवा के मजरा रानीपुर में पक्की सड़क से अंदर की तरफ गांव में रोड गई है जिस पर नाली खड़न्जा नहीं है कच्चा मार्ग है और घरों का गंदा पानी सड़क पर गिरने से कीचड़ व पानी भरा हुआ है जिससे लोगों को उसी में होकर आना जाना पड़ता है ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान खण्ड विकास अधिकारी से खड़न्जा और नाली बनवाने की मांग किया लेकिन अभी तक नहीं बनवाया गया है इस संबंध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी श्रावस्ती से खड़न्जा लगाने और नाली बनवाए जाने की मांग किया है जिससे ग्रामीणों के आने-जाने में सुबिधा हो जाए ।

Even those who make faces at the sight of gourd will eat its barfi with pleasure, it is also easy to make, note the simple recipe

Gourd is a very tasty and healthy vegetable from which many dishes are made. These dishes also include gourd barfi (Lauki Ki Barfi Recipe). This is a very tasty sweet which is very easy to make and it is also wonderful in taste. We are telling the recipe to make it in this article. Let's know how to make the recipe of gourd barfi. Gourd is very beneficial for health.Eating it is very beneficial for digestion. Tasty barfi is also made from gourd. Gourd barfi is a delicious and healthy sweet, which you can easily make at home. Gourd, also known as ghiya or dudhi, is a vegetable that is very beneficial for health. It has high water content and is considered very good for the digestive system.

To make gourd barfi, you need some ingredients and the right method. Let's know how to make Lauki Barfi (Lauki Ki Barfi Recipe). Ingredients: Bottle gourd - 500 grams (peeled and grated) Ghee - 2-3 tablespoons Sugar - 1 cup (according to taste) Milk - 1/2 cup Khoya (mawa) - 1 cup Cardamom powder - 1/2 teaspoon Almonds and pistachios - finely chopped (for decoration) Method: First of all, wash the bottle gourd thoroughly and peel it and grate it. Keep in mind that the bottle gourd has a lot of water content, so after grating it, squeeze it with your hand and remove the extra water. Heat 2 tablespoons of ghee in a pan. After the ghee is heated, add grated bottle gourd to it and fry it while stirring continuously on medium flame. Fry the bottle gourd until its color becomes light golden and its moisture is gone. Now add khoya (mawa) to it and mix well. Fry khoya and gourd for about 5-7 minutes, so that both are well mixed. After this, add sugar to it and mix well. After adding sugar, the mixture will become a little thin, but cook it by stirring continuously. After the sugar dissolves completely, the mixture will start thickening. Now add milk to it and cook the mixture by stirring continuously. Adding milk enhances the taste of barfi even more. Cook the mixture till it starts separating from the pan and ghee starts appearing separately. Remove the mixture from the flame and add cardamom powder to it and mix well. Cardamom powder will enhance the taste of barfi. Now prepare a plate or tray by applying ghee. Pour the barfi mixture on it and level it. Garnish with finely chopped almonds and pistachios on top. Keep the mixture aside for about 1-2 hours to cool. When the barfi cools down, cut it into square or diamond shapes. Lauki ki barfi is ready! Store it in an airtight container and keep it in a cool place. Keep these tips in mind- After grating the gourd, squeeze it well so that its extra water comes out. You can increase or decrease the amount of sugar according to your taste. To store the barfi for a long time, you can keep it in the fridge. Lauki ki barfi is not only tasty, but it is also beneficial for health. Make it on festivals or special occasions and eat it with your family and friends and enjoy it.

Mosquitoes have made it difficult to sit in the balcony of the house, adopt these 3 tips - they will be eliminated

Garlic has the properties of repelling mosquitoes. You can keep garlic in your balcony or make a spray by mixing them in water and spray it in your balcony. Make a paste of garlic

and mix it in water. Then sprinkle this water in the corner. With this you can get rid of the terror of mosquitoes. Mosquitoes run away from the foul smell of garlic. If you are also troubled by mosquitoes in the balcony and are not getting any permanent solution for them, then be careful. Today we are going to tell you a permanent solution to repel mosquitoes. By using which you can get rid of the terror of mosquitoes. Today we are telling you 3 tips here which can help you get rid of mosquitoes in the balcony. 1: Use of neem leaves Neem leaves have the properties of repelling mosquitoes. You can keep neem leaves in your balcony or make a spray by mixing them in water and sprinkle it in your balcony. Apart from this, you can collect neem leaves and burn them. Mosquitoes run away from the smoke of neem leaves. 2- Use of garlic- Garlic has the properties of repelling mosquitoes. You can keep garlic in your balcony or make a spray by mixing them in water and sprinkle it in your balcony. Make a paste of garlic and mix it in water. Then sprinkle this water in the corner. With this you can get rid of the terror of mosquitoes. Let us tell you that mosquitoes run away from the stench of garlic. Therefore, this is an effective remedy. By using which mosquitoes can be driven away. 3: Use of citronella oilCitronella oil has the properties of repelling mosquitoes. You can keep citronella oil in your balcony or make a spray by mixing them in water and sprinkle it in your balcony. By using these tips, you can get rid of mosquitoes in your balcony. But keep in mind that if you have any serious problem related to mosquitoes, you should consult your doctor.

If you see these habits in children, never ignore them, understand that your child has fallen into bad company

The habit of stealing always starts from home. If your child steals, it can be a serious problem. You should teach your child about the disadvantages of stealing. If you ignore this habit, it can become more dangerous in the future. Children should always be monitored. The habits seen in children in childhood often reflect their future personality and behavior. If you notice some habits in your child which you feel the child should not have. Then you should never ignore these habits. Because ignoring these habits can be fatal for you. After a few years, your same child can get involved in wrong deeds. Therefore, it is very important to be strict from the beginning. 1. Lying: If your child lies, it can be a serious problem. You should teach your child about the importance of truth. The habit of lying in children is very dirty. After lying, children again go on the wrong path. 2. Stealing: A child always develops the habit of stealing from home. If your child steals, it can be a serious problem. You should teach your child about the disadvantages of stealing. If you ignore this habit, it can become more dangerous in the future. 3. Violent behavior: If your child behaves violently, it should not be ignored at all. Because this habit can become more dangerous in the future. It can be a serious problem. You should teach your child about the importance of peace and tolerance. 4. Indiscipline: It is very important to teach discipline to the child. If he does not do this, you may see its bad consequences in time. If your child is indisciplined, it can be a serious problem. It is very important for children to have discipline. 5. Loneliness: If your child lives alone, it can be a serious problem. You should teach your child about the importance of social relationships. Make the child social and explain to him the importance of living with everyone. Children often get depressed when they live alone. Therefore, such habits of children should never be ignored.

'This was a mistake...', director Aarti Kadam breaks silence on the controversy of Sanya Malhotra's film Mrs

Sanya Malhotra starrer film Mrs has been in the news ever since it was released. The film is being praised by the audience and critics, but some time ago this film also had to face criticism. Now the director of Mrs, Aarti Kadav has broken the silence on the controversies and accepted her mistake. Mrs Movie released on OTT is a remake of the Malayalam film Mrs. Aarti Kadav spoke on the controversy of Mrs. Sanya Malhotra's film Mrs, popularly known as 'Dangal Girl', has been released. This film has been a topic of discussion since its release. Audience and critics are praising Mrs. Meanwhile, the director of the film has broken the silence on the controversy. Mrs got embroiled in controversy last day when the crew was not mentioned on the slate of the film. Now director Arati Kadav has called it a mistake. Director spoke on the controversy- In a conversation with Hindustan Times, Arati Kadav said, "It was really a mistake. There were a lot of players in it and it was a real mistake. 3-4 platforms were collaborating on this. When I asked them, they said, 'This is a real mistake' and they immediately fixed it." Arati Kadav further said, "I have a very good relationship with the crew. They have become like a family, as we have a very lively WhatsApp group. So we were discussing it and I am happy that the crew is getting their due credit. There are many new actors in my film. It was very important for them to see their name there."Why was there a controversy over Mrs?- The trailer of Mrs was released on 25 January 2025. On one hand people were praising the trailer, on the other hand a mistake had created a controversy. Actually, in the trailer of the film it was seen that the name of the technician was missing in the slate. Later, the makers immediately corrected this mistake. Whose remake is Mrs. Movie? - Mrs. Movie is a remake of the Malayalam film The Great Indian Kitchen. It is a classic cult movie, which was released in 2021. The film featured stars like Nimisha Sajayan, Suraj, T Suresh Babu and Anagha Ashok in lead roles. It was directed by Joe Baby. This film proved to be a sleeper hit. Later this film was made in Tamil and now in Hindi. Sanya Malhotra is in the lead role in the Hindi remake. What is the story of Mrs.? - The story of Mrs is about a woman whose world revolves only around the kitchen after marriage. After marriage, the woman's life is spent only in pleasing her husband and in-laws and her dreams remain suppressed. This story of the woman is shown in Mrs. Sanya Malhotra starrer Mrs has received positive reviews from critics and audiences. This film is streaming on the OTT platform Zee5.

Thandel Leaked Online: Thandel got leaked online a few hours before its release, makers lost crores

Naga Chaitanya and Sai Pallavi's film Thandel is making a lot of money at the box office. The film was released in theaters on February 7 and it was leaked online just a few hours before that. Due to this, the makers also suffered a lot of loss. The story of the film is based on real life, due to which the audience is very interested in it. Thandel was released in theaters on February 7, Naga Chaitanya and Sai Pallavi were seen in the lead role - leaked online before release After Pushpa 2 and Vidamuarachi, another South film has become a victim of piracy. Naga Chaitanya and Sai Pallavi starrer film Thandel was released in theaters on Friday, February 7. But a few hours before its release, the film got leaked on piracy websites. On which website was it leaked online? According to reports, Tandel got leaked online and is now available to stream and download on torrent websites Filmyzilla, Tamilrockers, Movierulz, Telegram, known for piracy. The worst thing about this is that you should not think that if it is pirated then the quality will not be good. The film is available in high-definition quality on torrent websites. When was the film released? At a time when it is already a difficult task to pull the audience to the theaters. This will also affect the box office collection of the film. The makers of Tandel have not yet released any official statement on the film being leaked. Let us tell you that Ajith starrer Vidamuyarchy was also released on February 7. The makers had asked not to leak the film but despite this, this film also became a victim of piracy. This has happened to many South films earlier as well - Earlier, Ram Charan and Kiara Advani's film Game Changer was also leaked online and. This had a huge impact on the box office collection of the film. Made on a budget of Rs 450 crore, the film was able to earn only Rs 155 crore at the box office. Pushpa 2, Amaran and other South films are constantly being leaked online. Filmmakers are now trying to launch a massive crackdown on the piracy industry to protect their films from being leaked online. What is the story of Tandel?-Tandel is a romantic action thriller film based on a real life incident that happened in 2018. The film is directed by Chandoo Mondeti. It is produced under the banner of Geetha Arts and Bunny Vasu is its producer.

Rajesh Khanna's granddaughter beats top heroines in beauty, you won't be able to take your eyes off her hot photos!

Rajesh Khanna's granddaughter Naomika Saran, who belongs to the world of star kids, is going to debut in Bollywood. Naomika, who stays away from the limelight, may not be seen in the big parties of B-town, but in real life she is very bold and stylish. You won't be able to take your eyes off her photos. Rajesh Khanna's granddaughter is going to debut Rajesh Khanna's granddaughter has millions of followers - Naomika Saran is Rinke Khanna's daughter Rajesh Khanna is called the superstar of Hindi cinema. With his superhit films and his unique style, he ruled the hearts of the audience. Like Rajesh Khanna, his ex-wife Dimple Kapadia was also one of the best actresses of her time. Even though Rajesh and Dimple have earned a lot of name in the film world, their daughters could not take this legacy forward. Rajesh Khanna and Dimple Kapadia's both daughters Twinkle Khanna and Rinke Khanna have worked in films but have not achieved much success and now both have retired from films. Even though Rinke and Twinkle are not interested in films now, Rajesh Khanna's granddaughter is going to take this legacy forward. Going to do a film with Agastya Nanda? - There is a buzz that Rajesh Khanna's granddaughter and Rinke Khanna and Sameer Saran's daughter Naomika Saran is going to show her acting skills on the silver screen soon. It is being said that she is going to do a film with Amitabh Bachchan's grandson Agastya Nanda which is going to be produced by Dinesh Vijan. The film will be a rom-com drama, the title of which has not been announced yet. Naomika may not be spotted much with other star kids in Mumbai, but she is quite active on social media. How educated is Rajesh Khanna's granddaughter? - Naomika Saran, daughter of former actress Rinke Khanna and businessman Sameer Saran, is completing her studies abroad before entering films. 23-year-old Naomika completed her primary education from St. Xavier's College in Mumbai and now she is studying abroad at Tisch School of the Arts in New York. Naomika follows them - Naomika has no competition in terms of fashion. She even beats big heroines in beauty. There are many pictures of her in western and traditional dresses on social media, in which she looks very stunning. She has been active on Instagram for the last 7 years, but there are only 12 posts on her feed. 1 lakh 22 thousand people follow her on Instagram. She herself follows Ananya Pandey, Navya Naveli Nanda, Sonali Bendre, aunt Twinkle Khanna, Ori, Ananya Pandya and Shweta Bachchan.